[डा० अबरार अहमद खान]

नहीं है । इसीलिये, उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से इन गरीब मजदूरों की आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए मंत्री महोदय तक पहुंचाना चाहता हूं और सरकार से यह आग्रह करता हूं कि उनका शोषण रोका जाय, उनको मकान दिलाये जांय जहां कि वे रहते हैं । इसके साथ टी०बी० और दमे जैसी बीमारी से बचाने के लिये उनके लिये स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की जाय । इन्हीं शब्दों के साथ आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया, इसके लिये धन्यवाद ।

Kidnapping of a woman in Kapurthala in Punjab

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं राज्य सभा के माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि आज के दिन जब भाषाओं के विवाद पर हमारा मुल्क बंट रहा है जब भाषाओं के विवाद पर खून-खराबा हो रहा है उस वक्त हमारे ही देश के एक राज्य पंजाब में एक सिख को हिन्दी बोलने से रोका जा रहा है । मैं आपका ध्यान उस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि एक सिख स्वर्ण सिंह बग्गा जो कि समस्तीपुर बिहार का रहने वाला है और 1984 के दंगों के बाद वह यहां से माइग्रेट हो कर के पंजाब में जा बसा अपने पुत्र के एक केस पर लुधियाना कोर्ट में जब वह हिन्दी में विटनेस दे रहा था तो वहां के लोगों ने उनको अश्लील भाषा में गालियां दी और मारा पीटा । इतना ही नहीं जब उन्होंने यह शपथ खाई कि मैं जब भी खड़ा हो कर संविधान पर हाथ रख कर शपथ लेकर विटनेस बास से बोलूंगा तो हिन्दी में ही बोलूंगा इसके लिए आपको जो करना हो कर लें तो तरह तरह की धमकियों के साथ साथ यह भी धमकी दी गई कि उसके परिवार के सदस्यों को खत्म कर दिया जाएगा । इतना ही नहीं स्वर्ण सिंह बग्गा इस बात को ले कर पंजाब के गवर्नर सिद्धार्थ शंकर राय से मिला और श्री सिद्धार्थ शंकर राय ने लिखित रूप में यह कहा कि आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा की व्यवस्था हम करेंगे परन्तु दुर्भाग्य इस बात का है कि पंजाब के गवर्नर की तरफ से दिये हुए आश्वासन के बावजूद उनकी बहन जो कपूरथला में रहती थी चार पांच महीने पहले कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और अपने पास रखे हुए हैं छोड़ नहीं रहे हैं । स्वर्ण सिंह बग्गा सिर्फ जूलियस रिबेरो के पास नहीं गये, पंजाब के गवर्नर के पास ही नहीं गये बल्कि बिहार के चीफ मिनिस्टर और बिहार के गवर्नर के पास भी गये और उनसे अपील की कि मेरी अपहृत बहन को छुड़ाकर मुझे वापिस दिलायें । उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एक केस फाइल किया कि मुझे हिन्दी बोलने से रोका जा रहा है मुझे इस पर प्रोटेक्शन दिया जाए जिससे मैं यह केस बिहार में चला सकूं जहां मैं हिन्दी में अपनी बात लोगों को कह सकूं । सुप्रीम कोर्ट ने उस को लीगल सेक्शन को रेफर किया और उस पर विचार करने के लिए कहा । इसके बावजूद भी उनकी जिन्दगी को खतरा है । मैं इस हाऊस के माध्यम से आपका ध्यान आकर्षित करते हुए देश के स्वराष्ट्र मंत्री से यह मांग करता हूं कि कृपा कर के स्वर्ण सिंह बग्गा की बहन स्वर्ण कौर को जिसका अपहरण चार पांच महीने पहले कपूरथला से हुआ उसको तुरंत खोज निकालने का बन्दोबस्त किया जाए । महोदया, जब लोग कलंकित करते हैं कि यह सिख जो है उग्रवादी है, देशद्रोही है और यहां एक सिख प्रमाणित कर रहा है कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है और मैं किसी भी कचहरी मे विटनेस बाक्स में खड़े हो कर हिन्दी में ही बोलूंगा उसकी बनिस्बत अगर मेरा परिवार भी खतरे में पड़ता है तो मैं वह खतरा लेने के लिए तैयार हूं । ऐसे लोगों को प्रोटेक्शन देने की जरूरत मैं समझता हूं । महोदया, मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए आपसे विचार चहाता हूं । आपने जो समय दिया इसके लिए धन्यवाद ।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : मैं इसका समर्थन करता हूं ।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करती हूं और मांग करती हूं कि उस बहन को जल्दी छुड़ाया जाए ।

SEVERAL HON. MEMBERS: We associate ourselves with this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The whole House, including the Chair, associates. Nobody should be deprived of speaking any language.

Demand for a Railway Line through Hastinapur

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं आपकी आज्ञा से सार्वजनिक हित का एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न उठा रहा हूं । हस्तिनापुर हमारे देश का ऐतिहासिक स्थान भी है और तीर्थ स्थान भी है और सन् 1947 की आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने इसको फिर से बसाया । वहां हमारे बहुत से पुरुषार्थी भाई भी जा कर बस गये । एक रेलवे लाइन की मांग बहुत दिनों से चल रही है । मेरठ से मवानाकला, हस्तिनापुर, रामराज, मीरापुर, शुक्रताल, मंगलौर होती हुई रुड़की के लिए रेलवे लाइन की मांग है । यह बहुत बड़ा उपजाऊ इलाका है इसलिए रेल लाइन की मांग है । साथ ही इस रेल लाइन को बिजनौर तक भी पहुंचाया जा सकता है रामराज से । यह बहुत ही पुरानी मांग है इस इलाके की मैं जब इसको उठा रहा हूं तो मोहसिना जी भी मौजूद है उनकी कांस्टीटूयेंसी का भी सवाल है ।

शहरी विकास मंत्री (श्रीमती मोहसिना किदवई) : मैं भी इसका समर्थन करती हूं ।

श्री राम चन्द्र विकल : इनका समर्थन भी है तो काम हो जाएगा । कल प्रधानमंत्री जी को एक प्रतिनिधिमण्डल भी मिला जिस में उस इलाके के सभी प्रतिष्ठित लोग थे । मैं भी संयोग से उनके साथ था । उन्होंने प्रधानमंत्री जी को एक स्मरण-पत्र, मेमोरेंडम दिया है इस मांग को दोहराते हुए उन्होंने यह मांग की है कि इससे जहां इस इलाके की बहुत बड़ी तरक्की होगी दिल्ली और लखनऊ से भी सीधा संबंध बिजनौर हो कर के, रुड़की से दिल्ली हो करके हो जाएगा । जो हमारे ये शहर हैं जिनकी हमने चर्चा की विशेषकर हस्तिनापुर वहां जो हमारे जन धर्मावलम्बी लोग हैं ये साल में करीब करीब तीन बार जाते हैं । जैनियों का हमेशा बहुत बड़ा सम्मेलन होता है, जैन समाज का धर्म क्षेत्र है वह । देश के कोने कोने से जैन धर्मावलम्बी लोग वहां जाते हैं । साथ ही वहां सन् 1947 में हमारे पुरुषार्थी भाइयों ने उद्योग लगाये थे लेकिन ये रेल की कमी से फेल हो रहे हैं । जिस हस्तिनापुर को जवाहर लाल नेहरू जी ने चंडीगढ़ के साथ साथ आबाद करने के लिए बसाया था वह बजाये बसने के उजड़ रहा है, वहां के उद्योग भी फेल हो रहे हैं ।

उपसभापति महोदया, यह नेहरू शताब्दी वर्ष है, अनेकों नये नये काम नेहरू की शताब्दी के नाम से जोड़े जा रहे है । मैं कहना चाहूंगा कि जिस हस्तिनापुर को नेहरू जी ने आबाद करना चाहा था उनकी आकांक्षा की पूर्ति में अर्थात् हस्तिनापुर के आबाद होने में यह रेलवे लाइन बहुत बड़ी सहायक होगी इसलिए मैं रेल मंत्री जी और पूरी सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं प्रधान मंत्री जी को कल लोगों ने स्मरण पत्र दिया है और मोहसिना जी वहां की नुमाइंदा हैं ये समर्थन भी कर रही हैं...

उपसभापति : धन्यवाद ।

श्री राम चन्द्र विकल : मैं आपका धन्यवाद करता हूं और मोहसिना जी का भी धन्यवाद करता हूं ।

उपसभापति : रेलवे मंत्री का धन्यवाद कीजिएगा जब रेलवे पूरी आ जाये ।

श्री राम चन्द्र विकल : कम से कम सर्वे तो हो जाये ।